FACULTY OF ARTS

B.A. Part II Examination, 2018-19

8. PHILOSOPHY

SCHEME

Two Papers	Min. pass marks 72	Max. Marks 200
Paper - I	3 hrs duration	100 Marks
Paper - II	3 hrs duration	100 Marks

Note: There shall be three (03) Sections in the Question paper.

Section A shall consist of ten questions (02 questions from each Unit), of 02 marks each, all compulsory to be answered in around 50 words.

Section B shall consist of seven questions (at least 01 question from each Unit) of 08 marks each, to be answered in around 200 words. Five questions must be answered out of given seven.

Section C shall consist of four questions (maximum 01 question from one Unit) of 20 marks each, to be answered in around 500 words. Two questions must be answered out of given four.

PAPER - I: HISTORY OF WESTERN PHILOSOPHY

UNIT-1

1. **Socrates** - Philosophical Problem, Method, Ethics
2. **Plato -** Theory of Knowledge, Knowledge and opinion, Theory of Idea, Soul, Idea of the good.

UNIT-2

1. **Aristotle -** Critique of Plato's theory of Idea, Theory of Causation, Form and matter, Potentiality and actuality, Soul, God.
2. **Plotinus** -Emanntionism, Soul
3. **St. Thomas Aquinas:** Reason and faith God, Ethics

UNIT-3

1. **Rene Descartes:** Method and need for method in philosophy, method of doubt, cogito ergo sum, types of ideas, mind matter, mind body interactionism, God: Nature and Proofs for his existence.
2. **Benedict Spinoza**: Substance: attributes and modes, the concept of God or nature, Pantheism, Mind body problem.
3. **Leibnitz:**Doctrine of Monads, Doctrine of pre-establish harmony, doctrine of force theory of knowledge, Principles of non-contradiction, God: nature and proofs for his existence.

UNIT-4

1. **John Locke:** Ideas and their classification, refutation of innate ideas, knowledge and its grades, substance, qualities - primary and secondary.
2. **George Berkeley:** Rejection of abstract ideas, rejection of the distinction between primary and secondary qualities, esseestpercipi.

UNIT-5

3. **David Hume:** Impressions and ideas judgments concerning relations of ideas and judgment. Concerning matters of fact causality, external world self and personal identity rejection of metaphysics scepticism.
4. **Immanuel Kant:** Problem of knowledge conception of critical philosophy classification of judgments analytic, synthetic, a priori, a posterior. Possibility of a synthetic a priori, Judgments.Phenomena and noumena, Categories of understanding, Validity of knowledge.

Books Prescribed

डॉ. डी.आर. जाटव पाष्चात्य दर्षन का इतिहास

Books Recommended :

डॉ. दयाकृश्ण पाष्चात्य दर्षन का इतिहास खण्ड 1 एवं 2

याकूबमसीह पाष्चात्य दर्षनकाइतिहास

FrantThilly History of Western Philosophy

W.T. Stace Critical History of Greek Philosophy

PAPER -II: LOGIC OR PHILOSOPHY OF RELIGION

Students may choose either Logic or Philosophy of Religion as their second paper

PAPER-II LOGIC

Duratioll-3hrs **M.M.100**

UNIT-1

Introduction, Categorical proposition

UNIT-2

Uses of language, Categorical syllogisms.

UNIT-3

Informal fallacies, Definition,

UNIT-4

Symbolic logic. Science and Hypothesis.

UNIT-5

The method of deduction, causal connections: Mills methods of experiment inquiry,

Book Recommended

Irving M Copy Introduction to logic (complete Book except Chapter 7, 10, & 14) .

PAPER - II: PHILOSOPHY OF RELIGION

UNIT-1

1 .Definition and nature of Philosophy of religion and Theology.

2. Definition, nature and Characteristics of Religion.

UNIT-2

1. Pantheism, Deism, Theism and Monotheism.
2. Explanation of Analytical and Synthetic statements and Analytical statement.

UNIT-3

1 .Arguments for the existence of God.

2. Attributes of God.

UNIT-4

1. Problem of Evil.
2. Immortality of soul.

UNIT-5

1. Religious belief and faith
2. The unity of Religion.
3. Universal Religion and Future of Religion.

Book prescribed :

YaqubMasih	Religious Philosophy

Book Recommended

Dr. Harendra Prasad Sinha	Dharma Darshan Ki RoopRekha (M.L.B.D.)
John Hick	Philosophy Religion
H.N. Mishra	DharamDars.hanParichya

कलासंकाय
बी.ए. पार्ट–II परीक्षा, 2018–19

8. दर्शन शास्त्र

परीक्षा योजना

दोप्रश्न पत्र न्यूनतमउत्तीर्णांक 72 अधिकतमअंक– 200

प्रथमप्रश्न पत्र समय : 3 घंटे अंक– 100

द्वितीय प्रश्न पत्र समय : 3 घंटे अंक– 100

प्रष्न–पत्र में कुल तीन खण्ड होगें। खण्ड अ में सभी दस प्रष्न अनिवार्य होंगे प्रत्येक प्रष्न का उत्तर 50 षब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रष्न दो अंक का होगा। खण्ड ब में कुल 7 प्रष्न होंगे व परीक्षार्थी केवल 5 प्रष्नों के उत्तर देगा। प्रत्येक प्रष्न का उत्तर 200 षब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रष्न 8 अंक का होगा। खण्ड स में कुल 4 प्रष्न होंगे। परीक्षार्थी इनमें से किन्ही दो प्रष्नों के उत्तर देगा। प्रत्येक प्रष्न कि उत्तर सीमा 500 षब्द होगी। प्रत्येक प्रष्न 20 अंक का होगा।

प्रथमप्रश्न पत्र –पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

इकाई–1

1. सुकरात – दार्शनिक समस्या, दार्शनिक प्रणाली, नीतिशास्त्र
2. प्लेटो – ज्ञानमीमांसा, ज्ञान एवं मत, प्रत्यय सिद्धान्त, आत्मा, शुभ

इकाई–2

1. अरस्तु – प्लेटो के प्रत्यय सिद्धान्त की आलोचना, कारणता का सिद्धान्त, पुद्गल एवं आकार, संभाव्यता एवं वास्तविकता, आत्मा, ईश्वर
2. प्लोटिनस – उद्भव सिद्धान्त, आत्मा
3. सन्तटॉमस एक्विनास – तर्क एवं श्रद्धा, ईश्वर, नीतिशास्त्र

इकाई–3

1. रेनेदेकार्त – दार्शनिक पद्धति एवं इसकी आवश्यकता, संदेह की पद्धति, कोजिटोइरगोसम, आत्मा एवं शरीर, आत्म–शरीर अन्तर्क्रियावाद, ईश्वर : स्वरूप सत्ता के प्रमाण, जन्मजात प्रत्ययों का सिद्धान्त
2. बेनेडिक्टस्पिनोजा – दार्शनिकविधि, द्रव्य : विशेषण एवं प्रकार ईश्वर का स्वरूप, सर्वेश्वरवाद, मन एवं शरीर का सम्बन्ध
3. गाटफ्रीडविल्हेल्मवॉन– चिद्बिन्दुओं का सिद्धान्त, पूर्वस्थापित सामंजस्य कासिद्धान्त, लाइब्नित्ज शक्ति का सिद्धान्त, ईश्वर का स्वरूप और उसके अस्त्वित के प्रमाण।

इकाई–4

1. जॉनलॉक – ज्ञान का उद्भव, जन्मजात प्रत्ययों का खंडन,

प्रत्यय एवं उसका वर्गीकरण ज्ञान का स्वरूप और प्रामाणिकता, ज्ञान की सीमाएं, प्राथमिक एवं गौणगुण

2. जार्जबर्कले – अमूर्तप्रत्ययों का खंडन, प्रथमिक गौण गुणों के मध्य अन्तर का खंडन, दृष्टि ही सृष्टि है।

इकाई–5

1. डेविडह्यूम – ज्ञान की उत्पत्ति, कारण–कार्य का संबंध, ज्ञान की प्रमाणिकता, बाह्य जगत का ज्ञान आत्मतत्व की अस्वीकृति, ईश्वर संशयवाद, प्रत्यय एवं प्रत्यक्षानुभव, तत्वमीमांसा का खंडन

2. इम्मैनुअलकांट – ज्ञान की समस्या, समीक्षावाद, निर्णयों का वर्गीकरण संश्लेषणात्मक, विश्लेषणात्मक, अनुभवपूर्व एवं अनुभवपश्चात, बुद्धि की श्रेणियाँ प्रपंचवाद, ज्ञान की प्रमाणिकता

द्वितीय प्रश्न पत्र –तर्कशास्त्र

समय – 3 घंटे पूर्णांक– 100

इकाई–1

परिचय (इन्ट्रोडक्शन), निरूपाधिकतर्कवाक्य,

इकाई–2

भाषा के प्रयोग, निरपेक्ष न्याय वाक्य

इकाई–3

अनौपचारिक तर्कदोष, परिभाषा,

इकाई–4

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र, विज्ञान और प्राक्कल्पना

इकाई–5

निगमन की पद्धति, कारणात्मकसम्बन्ध : प्रायोगिक अनुसंधान के लिये मिल की पद्धतियां,

पाठ्य पुस्तक

इरविंग एम. कोपी : तर्कशास्त्र कापरिचय (अध्याय 7, 10 तथा 14 के अतिरिक्तसम्पूर्ण पुस्तक)

द्वितीय प्रश्न पत्र – धर्मदर्शन

समय – 3 घंटे पूर्णांक– 100

नोट– नियमित व स्वयंपाठी विद्यार्थी द्वितीय प्रश्न पत्र तर्कशास्त्र अथवा धर्मदर्शन में से किसी एक पत्र का चयन कर सकते हैं।

इकाई–1

1. धर्मदर्शन की परिभाषा एवं स्वरूप, ईश्वरवाद
2. धर्म की परिभाषा, स्वरूप एवं मुख्य विशेषताएँ।

इकाई–2

1. सर्वेश्वरवाद, तटस्थ–ईश्वरवाद, एकेश्वरवाद, एकेश्वरवाद,
2. संश्लेषणात्मक कथन, विश्लेषणात्मक कथन।

इकाई–3

1. ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रमाण
2. ईश्वर के गुण

इकाई–4

1. अशुभ की समस्या
2. आत्मा की अमरता

इकाई–5

1. धार्मिक आस्था एवं श्रद्धा
2. धर्म समन्वय

3. विश्व धर्म एवं धर्मों का भविष्य

पाठ्यपुस्तक

याकूबमसीह	समकालीन धर्मदर्शन
हरेन्द्रप्रसादसिन्हा	धर्मदर्शन की रूपरेखा
जॉनहिक	फिलॉसफी ऑफ रिलीजन (हिन्दी व अंग्रेजी) प्रिन्टिसहाल
एच.एन. मिश्रा	धर्मदर्शन परिचय